महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ए ग्रेड
विश्वविद्यालय की उपलब्धि में जुड़ा एक और अध्याय

वर्धा दि. 04 मार्च 2015 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा ने अपनी उपलब्धि में एक और नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारत में हिंदी भाषा के विकास और संवर्धन के लिए स्थापित इस केंद्रीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने 'ए' ग्रेड प्रदान किया है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी विश्वविद्यालयों के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन अनिवार्य कर दिया है जिसके तहत विश्वविद्यालय के मूल्यांकन हेतु नैक की पीयर टीम ने 23 से 26 फरवरी 2015 को विश्वविद्यालय के सभी पहलुओं का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय के अकादमिक स्तर, शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध की उपलब्धियां, शिक्षकों के उन्नयन और ढांचागत सुविधाएं आदि को देखते हुए नैक ने विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्रदान किया। देश के जाने-माने विद्वान शिक्षाविद प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. गोविंद प्रसाद, प्रो. ऊषा रानी नारायण, प्रो. सुशील कुमार शर्मा एवं नैक, बंगलौर के समन्वयक डॉ. गणेश हेगड़े ने विश्वविद्यालय की सभी विद्यापीठों यथा भाषा, साहित्य, संस्कृति, अनुवाद एवं निर्वचन, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान तथा शिक्षा विद्यापीठ के साथ समस्त प्रशासनिक विभागों, प्रकोष्ठों आदि की कार्यप्रणाली का नैक के मानदंडों के अनुरूप निरीक्षण किया।

नैक द्वारा विश्वविद्यालय का यह प्रथम मूल्यांकन था और इसके लिए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के निर्देशन में विभिन्न समितियाँ गठित की गई थी। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं अकादमिक संरचना से नैक को अवगत कराया। इसी कड़ी में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों से लेकर सभी पहलुओं पर नैक की टीम को जानकारी दी। नैक की टीम ने प्रत्येक विभागों में जाकर निरीक्षण किया तथा अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं के साथ चर्चा भी की।

नैक की पीयर टीम ने अपने निरीक्षण के आधार पर रिपोर्ट तैयार की और इस रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को 'ए' श्रेणी के विश्वविद्यालय के रूप में स्थान मिला। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार एवं छात्रों में खुशी का माहौल है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से बी. एड. पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु 500 सीटें तथा नियमित पाठ्यक्रम के तहत 50 सीटें स्वीकृत हुईं हैं। इसके साथ विश्वविद्यालय में केंद्रीय विद्यालय प्रारंभ करने की दिशा में कार्य आरंभ हो चुका है। इसे संयोग ही माना जाएगा कि वर्तमान कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने एक वर्ष पूर्व ही कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था और नैक द्वारा 'ए' ग्रेड भी ठीक उसी तिथि को प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए नैक द्वारा ए श्रेणी प्राप्त होना यह हम सभी के प्रयासों का ही प्रतिफल है। विश्वविद्यालय को और आगे बढ़ाने के लिए हम सभी को प्रेरणा और प्रोत्साहन मिला है। इस उपलब्धि से सम्पूर्ण विश्वविद्यालय में उल्लास का वातावरण है।